पंजाब केसरी 04/02/2026

पराली जलाने से मनुष्य, पशुओं एवं मृदा पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर डाला प्रकाश

अम्बाला, 3 फरवरी (बलराम): गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज, अम्बाला कैंट में कृषि विज्ञान केंद्र, अम्बाला आई.सी.ए.आर.-ए.टी.ए.आर.ई. जोन-2, जोधपुर तथा एन.एस.एस. यूनिट, बॉटनी, जूलॉजी एवं कैमेस्ट्री विभागों के संयुक्त तत्वावधान में फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों, विद्यार्थियों एवं आम जन को फसल अवशेषों को जलाने से होने वाले पर्यावरणीय प्रदूषण एवं मृदा क्षति के प्रति जागरूक करना तथा इसके वैज्ञानिक एवं सतत विकल्पों की जानकारी देना रहा। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक, छात्र-छात्राएं, एन.एस.एस. स्वयंसेवक एवं अन्य प्रतिभागी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, अम्बाला की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रधान डा. उपासना सिंह ने पराली जलाने से मनुष्य, पशुओं एवं मृदा पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पराली जलाने से निकलने वाला धुआं मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है, जिससे श्वसन संबंधी रोग बढ़ते हैं। वहीं, पशुओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तथा मृदा की उर्वरता में कमी आती है।

जागरूक करते विद्यार्थी व कार्यक्रम के दौरान जानकारी देते वक्ता। (चंद्रमोहन)

क्रॉप रेजिड्यू मैनेजमैंट परियोजना के नोडल अधिकारी डा. राजेन्द्र कुमार सिंह ने मल्चिंग, कम्पोस्ट निर्माण, हैप्पी सीडर एवं अन्य कृषि यंत्रों के माध्यम से फसल अवशेषों के वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी दी और पर्यावरण-अनुकूल तरीकों को अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कृषि विज्ञान केंद्र, अम्बाला की टीम का स्वागत करते हुए कहा कि क्रॉप रेजिड्यू मैनेजमैंट आज की एक बड़ी आवश्यकता है और बॉटनी, जूलॉजी एवं कैमेस्ट्री जैसे विज्ञान विभागों की सहभागिता से विद्यार्थियों में इसकी वैज्ञानिक समझ और अधिक सुदृढ़ होती है। उन्होंने ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए कृषि विज्ञान केंद्र, एन.एस.एस. यूनिट एवं सभी संबंधित विभागों के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने ड्राइंग प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया और पराली न जलाने, पर्यावरण संरक्षण, पौधरोपण एवं जल संरक्षण विषयों पर सजीव प्रस्तुतियां दीं। साथ ही के.वी.के. द्वारा क्रॉप रेजिड्यू मैनेजमैंट के प्रचार-प्रसार हेतु विद्यार्थियों को बैग, टी-शर्ट एवं कैप आदि वितरित किए गए।